'हिंदी हम सबकी'

हिंदी विभाग

हिंदी प्रेम की भाषा है।

– महादेवी वर्मा

शिवाजी विश्वविद्यालय,कोल्हापुर संलग्नित महाविद्यालयों के अंतर्गत सर्वोत्कृष्ट महाविद्यालय के रूप में श्री शिव–शाहू महाविद्यालय, सरूड माना जाता है। जिसकी स्थापना 1983 में हुई। 1985 से हिंदी विभाग कायरत है। हिंदी विभाग ने नई चुनौतियों को स्वीकार करते हुए अहिंदी भाषी क्षत्र में हिंदी के प्रचार–प्रसार को महत्त्वपूर्ण स्थान दिया है। विभाग का लक्ष्य छात्रों को सुजान नागरिक बनाना रहा है। विभागांतर्गत प्रति वर्ष विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। हिंदी दिन तथा विश्व हिंदी दिवस बडे धुमधाम से मनाया जाता है। शैक्षिक यात्रा में छात्रों को निशुल्क रूप में सहभागी किया जाता है। विभाग के अध्यापक प्रति वर्ष आर्थिक दुर्बल तथा असहाय छात्राओं की शिक्षा व्यवस्था का पूरा खर्चा उठाते है। विभागीय ग्रंथालय में कुल मिलाकर रू. 125000/– की किताबें हैं। जिसका लाभ महाविद्यालय के सभी छात्र तथा प्रतियोगिता परीक्षा के परीक्षार्थी उठाते है। शिवाजी विद्यापीठ हिंदी प्राध्यापक परिषद के साथ विभाग आरंभ से जुडा हुआ है। विभाग के द्वारा अनुवाद प्रमाणपत्र कोर्स का प्रचलन शुरू है। भूतपूर्व छात्रों का विभाग के प्रति योगदान सराहनीय है। सन 2006 से विभाग के द्वारा प्रति माह रू. 1000/– का आर्थिक सहाय ज्ञानप्रबोधन संचलित अंधशाला, कोल्हापुर को निरंतर करते आए है। विभागीय ग्रंथालय में देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता को लेकर अप्राप्य पुस्तक को संजोग कर रखा है। केंद्रिय हिंदी निदेशालय, दिल्ली द्वारा प्रति वर्ष पुस्तकें भेंट स्वरूप भेजी जाती हैं। मशहूर सांसद त्रिपाठी जी के द्वारा ग्रंथालय को रू. 50000/– की किताबें प्राप्त हो गई। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के लघुशोध परियोजना के अंतर्गत रू.125000/– की किताबें खरीद की गई है। शिवाजी विद्यापीठ हिंदी प्राध्यापक परिषद तथा महाराष्ट्र राष्ट्रभाषा सभा, पुणे के कोल्हापुर विभागीय के साथ सामंजस्य करार स्थापित किए है। संस्था गीत रचना तथा संगीतबद्ध करने में हिंदी विभाग का बडा योगदान रहा है। विभागीय अध्यापकों की किताबें तथा शोधपत्र राष्ट्रीय तथा आंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशित हो चुके हैं। हिंदी विभाग के अध्यापक आदर्श शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित है। विभाग के अध्यक्ष के

निर्देशन में कुल 04 शोध छात्र पीएच. डी. उपाधिा हेतु शोध कार्य कर रहे हैं। विभाग द्वारा 'भाषिक उपयोजन', भारतीय भाषा दिवस, भाषा सर्व्हे. सामाजिक उपकमों में सहयोग, किन्नर विमर्श, स्वयं सिद्धा संमेलन, साहित्य सुधा भित्तीपत्रिका, दै. सकाळ यिन चुनाव, वाङ्मय मंडळ, प्रज्ञांजली (नियतकालिक), हिंदी पत्रिका 'हंस', अव्वल आनेवाले छात्रों को नकद रूप में शिष्यवृत्ति प्रदान आदि जैसे विभिन्न कार्यों को सुचारू रूप से संचलित किया जाता है। अधिकांश भूतपूर्व छात्र केंद्र, राज्य सरकार तथा नीजी कार्यालयों में विभिन्न पदों पर कार्यरत है। राष्ट्रोय छात्र सेना के उम्मीदवारों को हिंदी का विशेष अध्यापन किया जाता है।